IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, July 2024

# स्वामी विवेकानंद का प्रबंधकीय नेतृत्व दर्शन:मानवीय मूल्य आधारित परिप्रेक्ष्य

**डॉ. प्रशांत कुमार**

**सह आचार्य, व्यावसायिक प्रशासन विभाग**

**राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू (राजस्थान)**

## शोध सार

प्रस्तुत शोधपत्र स्वामी विवेकानंद के प्रबंधकीय नेतृत्व के मानवीय मूल्यों पर आधारित परिप्रेक्ष्य को प्रकट करता है। शोध पत्र का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों का प्रबंधकीय नेतृत्व की दृष्टि से भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित चिन्तन का तर्कसंगत विश्लेषण करना है। स्वामी विवेकानन्द के प्रबंधकीय चिन्तन का आधार भारतीय शैक्षिक चिन्तन परंपरा, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों की स्थापना करना रहा है। स्वामीजी का प्रबंधकीय नेतृत्व समाज सेवा, आध्यात्मिक उन्नति, मनोबल निर्माण और वैज्ञानिकता के सहज समन्वय पर आधारित है। प्रस्तुत शोध पत्र में ऐतिहासिक अनुसंधान विधि के आधार पर शैक्षिक दर्शन में भारतीय जीवन पद्धति, ज्ञान विज्ञान की साधना, परंपरा और आधुनिकता के मध्य समन्वय को लक्षित कर विभिन्न दृष्टान्तो के माध्यम से प्रबंधकीय नेतृत्व की दृष्टि से जीवन मूल्यों का विकास कर भारतीय संस्कृति के उत्थान पर बल दिया गया है। निष्कर्षतः स्वामी विवेकानंद का जीवन दर्शन आधुनिक प्रबंधकों को भावनात्मक बुद्धिमता का विकास करने, संगठनात्मक विकास करने, प्रबंधकीय नेतृत्व कौशल निर्माण एवं मानवीय मूल्यों का विकास करने के लिए विभिन्न आयाम प्रस्तुत करता है।

**बीज शब्दः प्रबंधन, नेतृत्व, व्यक्तित्व, मूल्य , शक्ति, संगठनात्मक विकास, भावनात्मक बुद्धिमता।**